जावती हाईस्कूल में बच्चों की कमी, किताबें मिलीं बिखरी

खास बातें

- जन शिक्षा केंद्र कहा जाने वाला हाई स्कूल जावती में शिक्षा के नाम हो रहा खिलवाड़
- निरीक्षण में उजागर हुई शिक्षा तंत्र की लापरवाही

नवभारत न्यूज

आनंदपुर/ जावती 2 सितम्बर, हाई स्कूल जावती कहने को तो जन शिक्षा केंद्र है लेकिन जन शिक्षा केंद्र पर ही शिक्षा के प्रति गंभीर लापरवाही देखी गई शासकीय हाईस्कूल जावती में निरीक्षण के दौरान शिक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियाँ सामने आई.

विद्यालय में पंजीकृत बच्चों की तुलना में उपस्थिति बेहद कम पाई गई. वहीं शासन से प्राप्त पुस्तकें अव्यवस्थित और बिखरी पड़ी मिलीं.लागतार आधे दिन बाद ही बच्चों का स्कूल छोड़ कर चले जाने की मिला रही थी ख़बर नवभारत की टीम के निरीक्षण के बाद बच्चों की स्कूल में उपस्थिति की हकीकत आई सामने नवभारत की टीम जब विद्यालय पहुंची तो कक्षाओं में बच्चों की स्थिति चौंकाने वाली थी.कक्षा 1-2 में पंजीकृत बच्चों की संख्या 41 है जिसमें उपस्थित केवल 10 मिले. वहीं कक्षा 3 व 4 पंजीकृत बच्चों की संख्या 44 है जिसमें उपस्थित मात्र 5 मिले तथा कक्षा 5 में पंजीकृत 42 हैं, निरीक्षण के समय काफी विद्यार्थी अनुपस्थित मिले.

इसी तरह कक्षा 6,7, 8 में बच्चों की उपस्थिति न मिलने की जानकारी शिक्षिका से लक्ष्मी पथीं से पूछा गया तो शिक्षिका जानकारी बता नहीं सकी और हाईपर होने लगी. इस विषय पर प्राचार्य गजराज सिंह मीना से पूछा गया तो पहले तो उनके द्वारा गुमराह किया गया कि बच्चे कक्षा में ही उपस्थित हैं.जब प्राचार्य से कहा गया की चलिये हमको कक्षा 6,7,8 देखना हैं तो कितने बच्चें है कक्षा में उपस्थित तो प्राचार्य द्वारा कही गई बात गलत पाईं गई की बच्चे क्लास रूम में बैठे है फिर बाद में टीम ने प्राचार्य गजराज सिंह से बच्चो के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि आज हॉकी जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती है तो बच्चें खेल के बाद घर चले गए होंगे. फिर हमनें पूछा की ऐसा कोई आदेश है की हॉकी जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती मानने या हाफ डे होने के बाद बच्चे घर जा सकते है या बच्चों की छुट्टी कर दी जाती है. तो प्राचार्य ने कहा ऐसा कोई आदेश या नियम नही है जिन जिन कक्षाओं में बच्चें नही मिले या कम मिले है में शिक्षक/शिक्षिका पर नोटिस कार्यवाही करुगा.

व्यवस्था पर उठते हैं सवाल

निरीक्षण में सामने आई खामियों ने शिक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं.पंजीकृत बच्चों की तुलना में उपस्थिति इतनी कम क्यों है? क्या प्रति दिन ही बच्चों की उपस्थिति की स्थिति कमी है रहतीं हैं. क्या हाफ डे का बहाना विद्यार्थियों को समय से पहले छुट्टी देने का तरीका है? क्या विद्यालय में बच्चों को शिक्षा नही मिलती जिस कारण बच्चे स्कूल आते नही कहीं यही कारण तो नही की बच्चे आधे समय में ही स्कूल से चले जाते हैं ? शासन से प्राप्त पुस्तकें उपयोग में क्यों नहीं लाई जा रहीं? क्या जन शिक्षा केंद्र प्राचार्य करते है शिक्षकों पर तानाशाही.क्या कक्षा निरक्षण के दौरान शिक्षक/शिक्षिका से बच्चों की उपस्थिति के बारे में पूछने पर कक्षा प्रभारी का उग्र होना उचित हैं?

किताबें बिखरी मिलीं

विद्यालय परिसर में शासन द्वारा वितरित पुस्तकें भी अव्यवस्थित और बिखरी हुई मिलीं.इस पर प्रभारी प्राचार्य गजराज सिंह मीना ने कहा कि इसकी जानकारी सीआरसी प्रभारी बृजमोहन शर्मा ही दे सकते हैं.

सीआरसी का कहना

जब नवभारत की टीम ने सीआरसी ब्रजमोहन शर्मा से जन शिक्षा केंद्र जावती प्राचार्य द्वारा लगाई गए आरोप के विषय में बात की तो पता चला की संकुल प्राचार्य करते है अड़ी बाज़ी वह चाहते है कि शिक्षकों पर दवाब बनाना अगर उनका ये कार्य पूरा नहीं होता तो वह बिना बजाए ही शिक्षकों के नोटिस निकलने की धमकी देते है यही कार्य करने का हमसे बोलते है जो की विभाग की दृष्टि से गलत है क्योंकि बिना कोई कारण किसी को परेशान किया जाए ये गलत हैं में चाहता हूं की शिक्षक दवाब फ्री होकर विद्यालय में बच्चों को शिक्षा प्रधान कराएं जो की सही है और रही बात जन शिक्षा केंद्र पर उपस्थिति की तो में रोज बीआरसी ऑफिस में उपस्थित दर्ज करता हूं और ई-अटेंडेंस के माध्यम से भी अपनी उपस्थिति दर्ज करता हूं और मेरा प्रतिदिन दो स्कूलों का भ्रमण का कार्य होता है जो की में अपनी पूरी ईमानदारी एवं जिम्मेदारी से निभाता हूं मेरा फील्ड वर्क का जो भी कार्य होता है इसकी पूरी जानकारी मैं अपने वरिष्ठ अधिकारियों को देता हूं. जब नव भारत की टीम ने सीआरसी से जन शिक्षा केंद्र में पड़ी पुस्तको के बारे में पूछा तो सीआरसी ने कहा कि मेरा कार्य विद्यालय में पुस्तक पहुंचने का है जो पुस्तके आपको जावती एकीकृत हाई स्कूल में मिली है वह जावती स्कूल की ही है मेरा काम नही पुस्तको को बच्चों को वितरण करने का कार्य विद्यालय का हैं. मेरा नहीं है.जावती हाईस्कूल में नवभारत की टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान उजागर हुई ये कमियाँ शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर को सामने लाती हैं.अब सबकी निगाहें विभागीय अधिकारियों पर टिकी हैं कि इस पूरे मामले में वे क्या कदम उठाते हैं.

निरीक्षण के समय मौजूद शिक्षक

विद्यालय में कुल 10 शासकीय शिक्षक/शिक्षिकाएँ एवं 3 अतिथि शिक्षक दर्ज हैं. निरीक्षण के समय 4 महिला शिक्षिकाएँ, प्रभारी प्राचार्य तथा दो अन्य शिक्षक एवं एक आईटी का शिक्षक मौजूद पाए गए.

प्राचार्य के गंभीर आरोप

प्रभारी प्राचार्य गजराज सिंह मीना ने माना कि बच्चे आते हैं, लेकिन आज चले गए। नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी.साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उनके अधीन 35 विद्यालय आते हैं, किंतु सीआरसी प्रभारी बृजमोहन शर्मा एवं अभय कुमार श्रीवास्तव कभी विद्यालयों का निरीक्षण नहीं करते और न ही उपस्थिति पंजी पर हस्ताक्षर करते हैं. इस लापरवाही की लिखित शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों को की जा चुकी है.

संवाद कार्यक्रम भी बदला

प्राचार्य ने बताया कि शनिवार को जावती हाईस्कूल में जनशिक्षा केंद्र स्तरीय एक दिवसीय संवाद आयोजित होना था. यह कार्यक्रम हॉकी जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती को समर्पित था. किंतु सीआरसी प्रभारी बृजमोहन शर्मा ने मनमानी करते हुए इस कार्यक्रम को सुनखेर में आयोजित कर दिया.

एक नजर में

दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

सिरोंज, सिरोंज पुलिस ने 12 घंटे के भीतर दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. जानकारी के अनुसार पीड़िता द्वारा थाना सिरोंज में शिकायत दर्ज कराई गई कि आरोपी ने उसके घर में घुसकर दुष्कर्म किया एवं जान से मारने की धमकी दी. शिकायत पर थाना सिरोंज में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया. वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश पर सिरोंज पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मात्र 12 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस की इस कार्यवाही में निरीक्षक विमलेश कुमार राय, उपनिरीक्षक स्मिता जैसवाल, प्रधान आरक्षक गोविंद, आरक्षक शशांक पाठक, आरक्षक विष्णु तोमर, आरक्षक अरुण, आरक्षक बाबूलाल, आरक्षक गुलशन, आरक्षक रवि दांगी की सराहनीय भूमिका रही.

चिकित्सा शिविर 6 से

नवभारत न्यूज

विदिशा, श्री गुरुनानक गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, विदिशा के तत्वाधान में एक्यूप्रेशर संस्थान जोधपुर के विशेषज्ञों द्वारा एक्यूप्रेशर वाइब्रेशन सुजोक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है. इस शिविर में प्राकृतिक थेरेपी से विशेष रूप से कमर दर्द, घुटनों का दर्द, साइटिका, सर्वाइकल, माइग्रेन, जोड़ों का दर्द, गैस कब्ज, शुगर, हाथ पैरों में झुनझुनी होना आदि बीमारियों का इलाज किया जाएगा. शिविर पंजाबी धर्मशाला, स्वर्णकार कॉलोनी में 6 से 11 सितंबर तक सुबह 8 बजे से 12 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक आयोजित किया जायेगा.

शक्ति कुंड में डूबने से युवक की मौत

नवभारत न्यूज

मुरारिया, ग्राम मुरारिया निवासी रानू प्रजापति उम्र 19 वर्ष की रविवार को शक्ति कुंड में नहाते समय पानी में डूबने से मौत हो गई. प्राप्त जानकारी अनुसार रानू प्रजापति पुत्र बाबूलाल प्रजापति अपने मित्रों के साथ ग्राम जगतपुर के समीप स्थित शक्ति कुंड में नहाने गया था नहाते समय वह पानी की गहराई में चला गया और पानी के दबाव में आने से वह बाहर नहीं निकल सका. सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीणजन घटना स्थल पर पहुंच गए एवं थाना मुरवास पुलिस भी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई और गोताखोरों ग्रामीणों की मदद से काफी प्रयास के बाद युवक का शव बरामद कर लिया गया पुलिस ने मौके पर पंचनामा बनाकर शव को

पोस्टमार्टम के लिए स्वास्थ्य केंद्र लटेरी भेज दिया पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया.अचानक हुई इस दर्दनाक घटना से पूरे ग्राम मुरारिया में शोक की लहर दौड़ गई.

दुराचार व हत्या की घटनाओं के खिलाफ कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में लगातार अबोध बालिकाओं जिनमें एक वर्ष से लेकर 10 वर्ष तथा 70-75 वर्ष तक की बुजुर्ग महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं निरन्तर हो रही है.जहां तक कि छोटी-छोटी बच्चियों के साथ बलात्कार एवं हत्या होना आम बात हो गई है. जिसके परिणाम स्वरूप प्रदेश में बालिकाओं एवं महिलाओं का जीवन संकट में पड़ गया है एवं महिला अत्याचार में प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर नंबर एक पर पहुंच जाने से समस्त प्रदेशवासियों का सिर शर्म से झुक गया है.

चिन्ता की बात है कि प्रदेश में पौने तीन साल में हजार के करीब बलात्कार की घटनाएं हो चुकी है जिसमें बलात्कार एवं गैंग रैप की घटनाओं के कारण छोटी-छोटी बच्चियों, छात्राओं का स्वतंत्र रूप से भ्रमण करना मुश्किल हो गया है. परिवार के मुखिया हमेशा इस बात से चिंता में रहते हैं कि उनके छोटे छोटे बच्चें कहीं किसी अनहोनी घटना के शिकार न हो जाएं. पिछले दिनों ग्वालियर, अनूपपुर, टीकमगढ़, राजगढ़, शहडोल, डिंडौरी, जबलपुर, उज्जैन, भोपाल, खंडवा, रायसेन, दतिया, रीवा, हरदा, नर्मदापुरम, मुरैना आदि स्थानों पर बालिकाओं एवं महिलाओं के साथ बलात्कार एवं उनकी हत्याओं की घटनाएं हो चुकी है जिससे आमजन का जीवन मुश्किल में आ गया है और आग्रह किया आप क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधि होने के नाते प्रदेश में लगातार अबोध बालिकाओं, छात्राओं, महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं एवं उनकी हत्या की रोकथाम हेतु अपने-अपने स्तर पर कड़े एवं प्रभावी कदम उठाएं तथा प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी शक्ति के साथ ऐसे प्रयास करे ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इस हेतु आवाज उठाने के साथ ही बच्चियों के साथ हो रहे दुराचार को लेकर सोशल मीडिया में इसके रोकथाम हेतु अपने प्रभावी संदेश को प्रसारित करे ताकि प्रदेश में कानून व्यवस्था दुरूस्त होने के साथ ही बालिकाओं एवं महिलाओं का जीवन सुरक्षित हो सके.ज्ञापन में पूर्व विधायक निशंक जैन, वरिष्ठ कॉंग्रेस नेता सत्यप्रकाश सेन, रामकिशन दुबे, सुनील बाबू पिंगले, रवि तिवारी, श्री मति विद्या यादव, श्री मति प्रीति शंकरदयाल शर्मा (जनपद उपाध्यक्ष - ग्यारसपुर), गोविंद सिंह गुर्जर (जनपद उपाध्यक्ष - बासौदा), अरविन्द राजपूत, राजकुमार सेन, नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास, पार्षद मणिबाबू अहिरवार, जोएब हसन, अनीश खान, अमित मेहता, तोरन सिंह रघुवंशी, बी. डी. शर्मा, अंसार खान, पलाश जैन, गौरव शर्मा, विनोद जैन, अनुराग जैन, ब्रजेश लोधी, विष्णुप्रसाद शर्मा, अभिनव शर्मा, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

अवैध मांस विक्रय की दुकान बंद करने दिया ज्ञापन

नवभारत न्यूज

सिरोंज, पीरजादपुरा क्षेत्र के रहवासियों ने मंगलवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नाम एक ज्ञापन देकर मंडी बायपास रोड स्थित मुर्गा मांस की दुकान बंद करने की मांग की. इस मौके पर उन्होंने कहा कि वार्ड 1 पीरजादापुरा से लगा मंडी बायपास रोड पर मुर्गा मांस की दुकान है. जिससे वार्ड वासीयों को आने जाने में गंदगी का सामना करना पडता है. और बहुत बदबु आती है. रात्रि में बचा मांस रास्ते में फेकने से कुत्ते आते है. जिससे रहवासियों को काटने का डर रहता है. उन्होंने मौके पर पहुंचकर उचित कार्यवाही करने की मांग की.

बप्पा के दरबार में देशभक्ति के गूंजे तराने

स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों की दी प्रस्तुति

नवभारत न्यूज

सिरोंज, श्री गणेश उत्सव समिति द्वारा श्री गणेश जन्मोत्सव समारोह में सोमवार रात्रि में देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. जिसमें स्कूली छात्र छात्राओं ने भाग लेकर देर रात्रि तक देश भक्ति से ओतप्रोत गीतों की प्रस्तुति दी. कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग की इस प्रतियोगिता में नगर के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया.

प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में लगभग 16 छात्र-छात्राओं ने तथा

वरिष्ठ वर्ग में 14 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. निर्णायक मंडल द्वारा प्रतियोगियों की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति, गीत के बोल एवं हाव-भाव के आधार पर कनिष्ठ वर्ग में प्रथम ध्रुवप्रताप सिंह रघुवंशी, द्वितीय उन्नति चौरसिया एवं तृतीय श्रेया विश्वकर्मा रही. वरिष्ठ वर्ग में प्रथम कार्तिक यादव, द्वितीय मुस्कान कुशवाह एवं तृतीय सौम्या आचार्य रही. समिति द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर निर्णायक दिनेश गर्ग, घनश्याम विश्वकर्मा एवं अरूण भारती रहे. भूमिका वक्तव्य ओमप्रकाश दुबे, संचालन शिवकुमार मिश्रा ने किया. इस अवसर पर महेन्द्र सिंह दांगी, जितेन्द्र बघेल, मनमोहन साहू, कृष्णविहारी पांडे के साथ ही बड़े संख्या में लोग मौजूद रहे.

प्रियाकांत जू सरकार व गोपाल जी महाराज की पालकी नगर भ्रमण पर

नवभारत न्यूज

कुरवाई, डोल ग्यारस के पावन अवसर पर नगर में धार्मिक उत्सव की धूम रहेगी.बुधवार को प्रियाकांत जू सरकार एवं गोपाल जी महाराज की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी. यह शोभायात्रा शाम 5 बजे माताबाग मंदिर, कुरवाई से प्रारंभ होकर बीना तिराहा, ब्राह्मण मोहल्ला, पुराना थाना, से होते हुए यमुना विहार के लिए पहुँचेगी और वहाँ से आगे बढ़कर बेतवा जी के तट पर स्थित सामने घाट पर पहुंचेगी भजन-कीर्तन व जयघोषों के बीच श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या इस शोभायात्रा में सम्मिलित होगी.माताबाग मंदिर समिति, कुरवाई द्वारा समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं से इस अवसर पर उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का सादर आमंत्रण दिया गया है.

राष्ट्रीय खेल महोत्सव पर सेमिनार सम्पन्न

सैण्ट एसआरएस पब्लिक स्कूल में छात्रों ने रखे खेलों पर विचार

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, सैण्ट एसआरएस पब्लिक हायर सैकेण्डरी स्कूल में एनएसएस के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खेलों के विकास को लेकर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.जिसमें कक्षा 11 व 12 वीं के छात्र-छात्राओं ने खेलों के विकास में व्यक्तिगत खिलाड़ी या सरकार की भूमिका पर विचार रखे.

जहां पक्ष के छात्रों ने कहा कि खेलों का विकास व्यक्ति की रुचि पर निर्भर करता है, जिसमें सरकार की भूमिका गौण होती है.आज की पीढ़ी खेलों में रुचि नहीं ले रही है, जिसके कारण केन्या जैसे देश खेलों में नाम कमा रहे हैं, जबकि डेढ़ अरब का देश कभी-कभार खेलों में दिखता है.खेलों की सुविधाएं होने के बाद भी खेलों में रुचि न होने के कारण स्टेडियम खाली पड़े रहते हैं.इससे पता चलता है कि युवक अपनी ऊर्जा कैरियर पर फोकस कर रहे हैं.मेजर ध्यानचंद सुविधाओं से वंचित होने के बावजूद विश्व के श्रेष्ठ खिलाड़ी बन सके.

वहीं कुछ छात्रों ने विपक्ष में बोलते हुए बताया कि बिना सरकारी सुविधाओं और प्रोत्साहन के सभी खेलों में अच्छे खिलाड़ी मिलना असंभव है. आजादी के बाद सरकार द्वारा खेलों पर सुविधाएं बढ़ाई गई ,तो नीरज चोपड़ा जैसे खिलाड़ी ओलम्पिक सहित अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा रहे हैं. इस अवसर पर खेल अधिकारी कपिल गौड़ ने बच्चों को समझाया कि यदि आपको अच्छा खिलाड़ी बनना है तो आपको खेलने मैदान में उतरना होगा. आज की पीढ़ी मोबाइल पर केण्डीक्रेश खिलाड़ी बनना चाहती है तो गलती कर रही है. खिलाड़ी बनने के लिए मैदान पर पसीना बहाना पड़ता है.प्राचार्य उमेश चंद्र यादव ने मेजर ध्यानचंद के जीवनवृत पर प्रकाश डाला.आभार बालिका इकाई प्रभारी श्रीमती रजनी गुप्ता ने माना.कार्यक्रम की भूमिका बालक इकाई प्रभारी कृष्ण पाल सिंह चौहान ने रखी. इस अवसर पर खेल शिक्षक गजेन्द्र सिंह दांगी, शिक्षिका प्रियंका अग्रवाल, दिनकर कद्रे, पुष्पेन्द्र सर सहित शिक्षक परिवार उपस्थित था.

खतरा | **बच्चों सहित लोगों पर मंडराने लगा खतरा**

सांची नगर के घरों पर बंदरों का आतंक

नवभारत न्यूज

सांची, विश्वप्रसिद्ध स्तूप नगरी सांची में बंदरों का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है.स्तूप पहाड़ी पर इनकी उछलकूद पर्यटकों को भले लुभाती हो, लेकिन अब यह बंदर नगर के घरों की छतों और आँगनों में घुसकर रहवासियों की बड़ी परेशानी बन गए हैं.सबसे ज्यादा खतरा छोटे बच्चों पर मंडरा रहा है, जिन पर बंदरों के हमले की आशंका बनी रहती है.

सांची स्तूप परिसर जंगलों से घिरा होने के कारण वन्यजीवों का सुरक्षित आश्रयस्थल माना जाता है. यहां मोर और बंदर निडर होकर विचरण करते हैं, जिसे

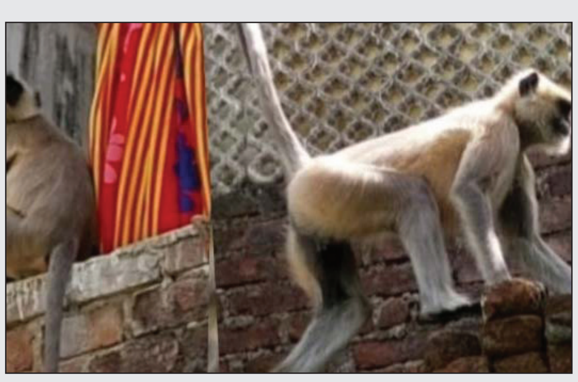

देखकर पर्यटक आनंदित होते हैं.लेकिन अब यही बंदर झुंड बनाकर नगर की रिहायशी बस्तियों तक पहुँचने लगे हैं.छतों पर लगी टीन की चादरों पर बंदरों की कूद-फांद से मकान मालिक परेशान हैं.कई बार इन्हें भगाने का प्रयास किया जाता है, मगर डर के कारण लोग असहाय हो जाते हैं. खासतौर पर बच्चे बंदरों की हरकतों से भयभीत रहते हैं.मादा बंदरों के अपने बच्चों को पेट से चिपकाकर एक घर से दूसरे घर तथा पेड़ों से सड़कों तक छलांग लगाने के दृश्य लोगों को और ज्यादा दहशत में डाल देते हैं.स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि ये बंदर अब एनएच रोड पर भी पार करने के प्रयास रोडकिनारे बैठकर करते दिख जाते है। यही नहीं, नगर के कई सरकारी दफ्तर भी इनकी उछाल कूद से अछूते नहीं रहे है, जहाँ ये निडर होकर कर्मचारियों की भी परेशानी का सबब बने हुए हैं.नगरवासियों का कहना है कि बंदरों के बढ़ते उपद्रव पर न तो वन विभाग कोई पहल कर रहा है और न ही प्रशासन नियंत्रण की दिशा में कोई ठोस कदम उठा पा रहा है.ऐसे में सवाल यह है कि नगरवासी इस बंदर आतंक से कब निजात पा सकेंगे.

प्रतिमा विसर्जन स्थल का लिया जायजा

नवभारत न्यूज

सिरोंज, प्रतिमा विसर्जन स्थल पर व्यवस्थाओं का मंगलवार को विधायक ने अधिकारियों के साथ जायजा लिया. इस मौके पर उन्होंने प्रकाश व्यवस्था, साफ सफाई, बैरिकेडिंग, सुरक्षा और यातायात के साथ गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए. लटेरी रोड स्थित केथन डेम के किनारे बने प्रतिमा विसर्जन स्थल पर प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों पर असंतोष जताते हुए उन्होंने कहा कि इस वर्ष अधिक वर्षा के कारण तालाब का जलस्तर ऊँचा है.

ऐसे में मूर्ति विसर्जन करने

आने वाले श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों की सुरक्षा प्राथमिकता है. उन्होंने पालिका अधिकारियों को तालाब किनारे मजबूत बैरिकेडिंग लगाने, फिसलन रोकने के लिए अस्थाई रूप से विशेष इंतज़ाम करने के निर्देश दिए. इसके बाद डोल ग्यारस पर नगर में निकलने वाले विमानों के मार्ग का अवलोकन करने के लिए रामलला मंदिर पहुंचे. केथन नदी तक जाने वाले विमानों के मुख्य बाजार में निकलने के दौरान आने वाली समस्याओं को देखा. उन्होंने कहा कि बिजली के केबल सड़क पर झूल रही है. टीनशैड अधिक निकले हुए हैं इससे विमानों के आवागमन में परेशानी होगी. उन्होंने प्रशासन से व्यवस्था दुरुस्त करने की बात कही. इसके उपरांत पंचकुईया पर जलझूलनी एकादशी पर नगर के सभी प्रमुख मंदिरों के विमानों के आगमन पर यहां नगरपालिका द्वारा की जा रही विद्युत साज सज्जा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक सुझाव भी दिए. इस अवसर पर नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, मनोज साईनाथ, रमेश यादव, हरिबाबू भार्गव, एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा, एसडीओपी सोनू डाबर, सीएमओ रामप्रकाश साहू, तहसीलदार संजय चौरसिया सहित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे.